मूल्य – 5 रु.

बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक
जून – 2017
वर्ष 5, अंक 9, पृ.सं. 20

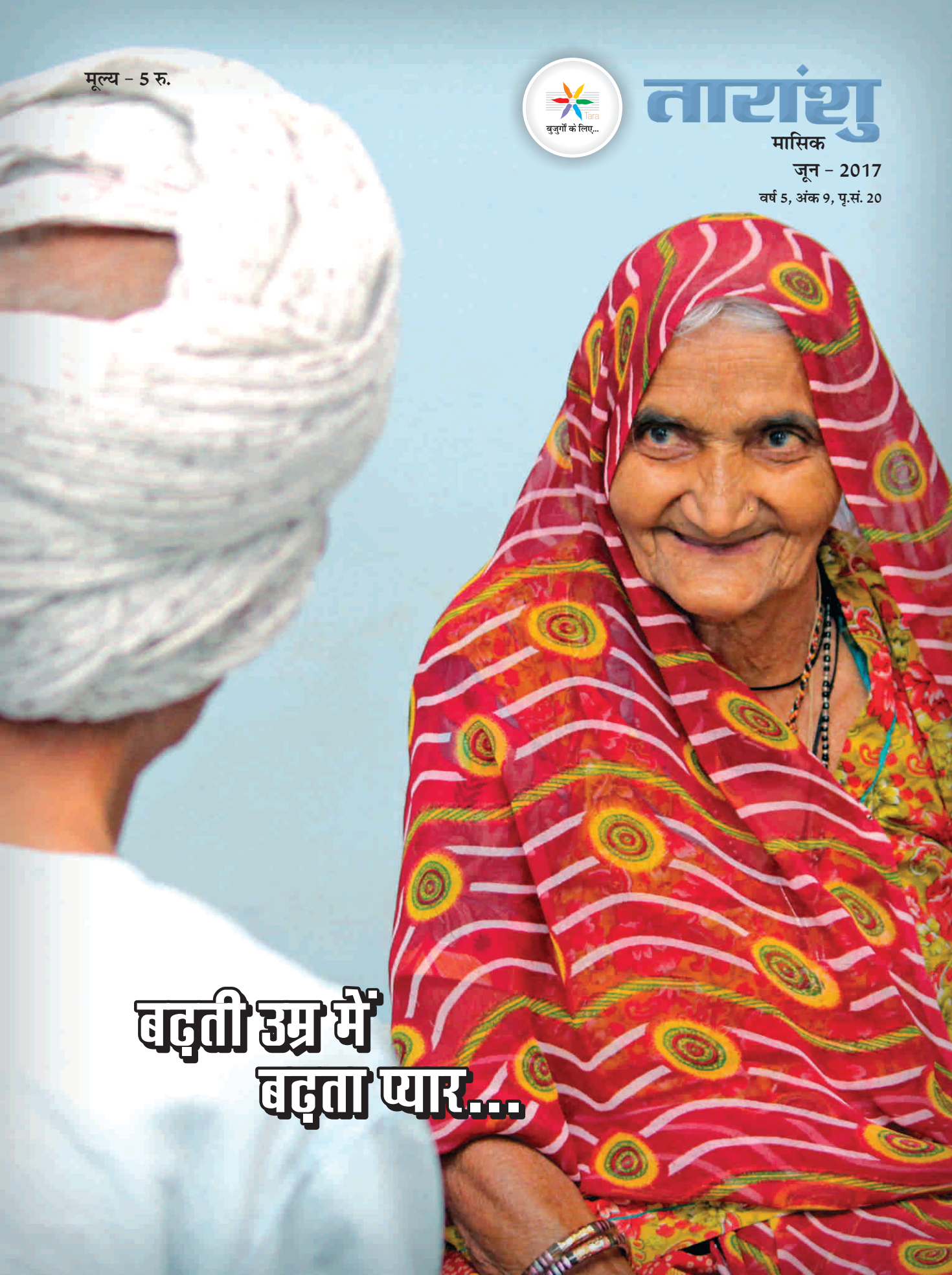

बढ़ती उम्र में बढ़ता प्यार...

आनन्द वृद्धाश्रम के नवीन परिसर का निर्माण कार्य तेजी से अग्रसर

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के निर्माण में योगदान हेतु दान योजना

आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं और प्रतिमाह 2 के औसत से जानकारी मांगी जाती है जो वृद्धाश्रम में रहना चाहते हैं। जगह खाली नहीं होने की वजह से भविष्य में किसी भी बुजुर्ग को निराश नहीं लौटाना पड़े इस विचार के साथ तारा संस्थान ने बैंक लोन लेकर 7000 वर्ग फीट भूमि खरीदी। इस भूमि हेतु हमारे दानदाताओं ने मुक्तहस्त सहयोग किया। आशा है अब नवीन परिसर निर्माण हेतु भी आप समस्त भामाशाह उसी प्रकार खुले दिल से सहयोग करेंगे।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण ''दधिचि''	भवन निर्माण ''कर्ण''	भवन निर्माण ''भामाशाह''
रु. 1,00,000/-	रु. 51,000/-	रु. 21,000/-

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम के नवीन परिसर का निर्माण/ योगदान हेतु दान योजना	02
अनुक्रमणिका	03
आलेख : माँ-बेटी का एक खूबसूरत रिश्ता	04
आलेख : ढाई आखर प्रेम के	05
आवरण कथा : 1. प्यार की कोई उम्र नहीं	06
आवरण कथा : 2. आइये हमारे सहयोगी कुछ ऐसे ही जोड़ों के बारे में जानते हैं	07
आवरण कथा : 3. क्या प्यार की भी होती है एक्सपायरी डेट ?	08
आवरण कथा : 4. आनन्द वृद्धाश्रम के प्रेममय जोड़े	09
नवीन आनन्द वृद्धाश्रम : ओम दीप आनन्द वृद्धारम, फरीदाबाद / इलाहाबाद झलकियाँ	10
गौरी योजना / तृप्ति योजना / आनन्द वृद्धाश्रम	11
तारा नेत्रालय विशेष / मासिक क्रिया कलाप	12
इस माह के भामाशाह	13
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	14-15
स्वागत	16
धन्यवाद	17-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश "मानव" की सन्निधि में साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

माँ-बेटी का एक खूबसूरत रिश्ता

''तारांशु'' तारा संस्थान का आइना है जिसमें हम और आप मिलकर क्या कर रहे हैं ये प्रतिबिंबित होता है, जी हाँ आप भी तारा संस्थान के क्रियाकलापों का अभिन्न अंग हैं क्योंकि आप सब जो ''तारांशु'' पढ़ते हैं, हमें सहयोग देते हैं, हमें मानसिक संबल भी देते हैं और जब आप हमें मिलकर कहते हैं कि ''आप अच्छा काम कर रहे हैं'' तो सच में ऐसा लगता है कि हमने ओलंपिक का गोल्ड मेडल जीता हो। हमें अच्छे से मालूम है कि चाहे हम हों या आप सभी को ईश्वर ने चुना और हम सभी निमित्त मात्र हैं लेकिन ईश्वर ने यह सौभाग्य आपको और हमें दिया यह कितनी बड़ी बात है तो बस आभार उस सर्वशक्तिमान का कि उसने हमें चुना। ''तारांशु'' अपने आप में मुझे बहुत प्रिय है, एक तो इसका नाम ''तारांशु'' यानी कि तारा की किरण सुनने में अच्छा लगता है और बाकी सब Article के अलावा मैं अपने भावों को शब्द बनाकर आपसे रू–बरू हो सकती हूँ। हम और आप मिले न मिलें पर आपके पत्र और मेरा यह Article मन की बात कह देता है।

आज इस लेख में लिखना कुछ और चाहती थी लेकिन बहुत कुछ पहले ही कह गई.... चलिए कोई बात नहीं अब मूल बात करते हैं, आज मैं आपको एक माँ बेटी के खूबसूरत रिश्ते की बात बताती हूँ.... वैसे तो जब वृद्धाश्रम चलाते हैं तो बच्चों को लेकर काफी नकारात्मक बातें सामने आती हैं, जो कुछ हद तक सही भी होती हैं लेकिन माता–पिता और बच्चों के मधुर रिश्तों की भी तो अनंत कहानियाँ हैं, तो बात करते हैं तारा देवी की....

तारा देवी एक लंबी साँवली सी महिला है जो आनन्द वृद्धाश्रम में लगभग 2 साल पहले आई थी उन्हें यहाँ उनकी बेटी और पड़ोसी लाए थे, जैसा कि अमूमन होता है, थोड़ी बहुत जानकारी के बाद उन्हें हमने यहाँ रख लिया या यूँ कहें कि वे अपने नये घर में आ गई। आई, तो वे स्वस्थ थीं, थोड़ा सा चाल में धीमेपन के अलावा कोई कमी नहीं लगती थी। वे बहुत कम बोलती थी लेकिन बहुत से बुजुर्ग हैं जो कम बोलते हैं और अपने हाल में खुश रहते हैं और मेरा और दीपेश जी का भी उन लोगों से आँखों–ही–आँखों के अभिवादन का रिश्ता ही रहता है। अभी जनवरी, 2017 में पता चला कि उनकी तबीयत खराब है उन्हें हॉस्पीटल भी ले जाया गया, भर्ती भी रही और थोड़े समय बाद उन्हें हॉस्पीटल से छुट्टी दे दी गई कि उनको अब घर पर ही रखना होगा। उनको Brain Stroke हुआ था और अब वे पूरे होशो हवास में नहीं थी। यहीं पर वृद्धाश्रम की असली परीक्षा होती है क्योंकि चलते फिरते स्वस्थ व्यक्ति को तो रखना आसान है लेकिन यदि कोई Bed Ridden हो जाए तो? हमें अब अनुभव है सो इतनी घबराहट नहीं होती है तो हमें जो इंतजाम करना था वो तो किया ही लेकिन जो जीवन का सबसे सुखद पहलू देखने को मिल रहा है तारा देवी की बेटी माहिनी जी की सेवा।

तारा देवी की बेटी रोज बिना नागा आती है। अपनी माँ के डाइपर बदलना, उनको Sponge करना खाना खिलाना आदि जो भी संभव काम हो करती हैं। कभी–कभी मोहनी जी का 10–12 साल का बेटा भी अपनी नानी के पास आता है। 4–5 महीने हो गए लेकिन बेटी लगभग रोज माँ के पास आती है और उनके चेहरे पर कभी भी खीझ या झल्लाहट नहीं देखी। वैसे तो आप कहेंगे कि माता–पिता की सेवा में कैसी खीझ लेकिन आनन्द वृद्धाश्रम के 5 साल के अनुभव में हमने ऐसे बच्चे कोई भी नहीं देखे। बच्चे आए तो इस नाम से कि माता–पिता से मिलने आए हैं लेकिन जितना समय यहाँ रहे या तो उदयपुर घूमते, श्रीनाथ जी दर्शन करते और कुछ कुछ तो केवल वसीयत के कागज पर साइन करवाने आए। यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि अगर माँ की इतनी ही परवाह है तो बेटी ने माँ को अपने पास क्यों नहीं रखा, लेकिन हमारी जानकारी के अनुसार इस बेटी ने माँ को एक साल अपने पास रखा था जब भाइयों ने माँ को रखने से मना कर दिया तो ससुराल वालों के कारण रखना मुश्किल हुआ तो यहाँ लाई। वैसे भी भारतीय समाज अभी इतना परिपक्व नहीं हुआ है कि बेटियाँ खुलकर माता–पिता को अपने घर रखे, हालांकि मुझे वो दिन बहुत दूर भी नहीं लग रहा।

एक बेटी का माँ के प्रति निःस्वार्थ प्रेम देखा तो आप सबको बताने से नहीं रोक पाई इतनी परेशानियों वाली दुनिया में सकारात्मकता हमेशा रोशनी की किरण की तरह होती है और बहुत सारी उम्मीद भी बंधाती है।

तो बस अच्छा और बहुत अच्छा हो इसी उम्मीद के साथ....

आदर सहित....

कल्पना गोयल

ढाई आखर प्रेम के....

आनन्द वृद्धाश्रमें के कुछ खुशहाल जोड़े

तारांशु का यह अंक बनाने का सोचा तो बहुत से विचार मन में थे लेकिन लगा कि अब एक तारा संस्थान कि सारी गतिविधियों पर तो कई बार बात कर चुके हैं तो फिर, इस तो फिर के जवाब में विचार आया कि कुछ भावनाओं की बात कर ली जाए, वैसे भी मनुष्य जीवन में कितनी भी भौतिक आवश्यकताएँ पैदा करें उन्हें हासिल भी कर लें, लेकिन जो तृप्ति अपनों का प्यार पाकर होती है वो किसी भी भौतिक वस्तु से हो ही नहीं सकती है। जो अपना आनन्द वृद्धाश्रम है इसमें अब तक 100 के आस–पास वृद्धजन रहने आए होंगे और यहाँ अभी अलग कमरे नहीं हैं तो भी वर्तमान में तीन वृद्ध दंपत्ति रह रहे हैं और इसके पहले भी यहाँ 3 दंपत्ति यहाँ रहे थे। जो दंपत्ति यहाँ रह रहे हैं उनके आपस का प्रेम देखकर लगता है कि किसी ने सही कहा है कि ''ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होए'' और इन्हें ही क्यों अपने घर में आस पास, बाग में या कहीं भी वृद्ध पति पत्नी दिखते हैं तो हम महसूस कर सकते हैं कि बुढ़ापे में प्यार के क्या मायने है। एक उम्र के बाद प्रेम अलौकिक हो जाता है जहाँ बस एक ऐसा साथी चाहिये होता है जो अपनेपन का एहसास कराये। हमारे एक अंकल बेटों से तकलीफ के कारण आनन्द वृद्धाश्रम आए तो साथ में उनकी पत्नी भी आ गई जबकि वो अपने घर में मजे से रह सकती थी और अब वे दोनों यहाँ जिस तरह से रह रहे हैं तो लगता है कि अगर ये अलग हो जाते तो गज़ब हो जाता। जब मैंने पहली बार अमिताभ बच्चन जी की फिल्म ''बागबान'' देखी थी तो लगा नहीं था कि बच्चे माँ–बाप को अलग–अलग कर सकते हैं लेकिन यहाँ तो कई हकीकतें ऐसी देख लीं।

हमारे पास तो बहुत से बुजुर्ग ऐसे आते हैं जिनके पति या पत्नी में से किन्हीं एक की मृत्यु होने पर उन्होंने बच्चों का घर छोड़ दिया वरना शायद एक दूसरे के प्रेम के सहारे ही वे बच्चों के दिए अपमान को झेल लेते होंगे। कभी–कभी तो पत्नी बहुत सी बातों को ढाप कर रखती है तो पति को कष्टों का एहसास ही नहीं होता और वे बच्चों के पास रह लेते हैं लेकिन बिना पत्नी के वो पिता बच्चों का घर छोड़ देता है। वैसे भी हमारे समाज में स्त्रियों की सहनशक्ति बहुत अधिक होती है लेकिन पति के न रहने पर भी कई माएँ हमारे पास रहने आ जाती हैं, शायद उनके बच्चे शिक्षित तो बहुत हुए होंगे पर बस वो ढाई अक्षर के मामले में निरक्षर हो गए।

तारा संस्थान से जुड़े हुए हमारे अधिकांश दानदाता भी पकी हुई उम्र के ही हैं और वे भी यह समझते होंगे कि इस उम्र में जीवनसाथी के क्या मायने हैं। चाहें लाख लड़ झगड़ लें, रूठ–मना लें लेकिन इस उम्र में जो सबसे प्यारा लगता है वो अपना जीवनसाथी ही है। एक वो ही तो है जिसे आप हक से कुछ भी कह सकते हैं और उसे सुनना ही है। मैंने यहाँ तारा में देखा कि एक अंकल अपनी Bed Ridden पत्नी का सब काम करते थे और बिलकुल भी बिना शिकन के तो यही लगता कि यही तो प्यार होता है। एक और अंकल–आंटी थे दोनों ही बिस्तर पर लेकिन आंटी करवा चौथ के दिन पूरी सजती, मेहन्दी लगाती और लेटे–लेटे ही अंकल का पूरा ध्यान रखती, अंकल को जरा सी किसी चीज़ की जरूरत होती तो तुरंत किसी को बुलाती। हमने इन जोड़ों को बिछड़ते भी देखा है क्योंकि दोनों में से किसी एक को तो पहले जाना ही होता है तो तकलीफ होती है। मेरा जो भी कुछ थोड़ा बहुत अनुभव है उस से मुझे तो ऐसा लगता है कि वृद्धावस्था में पति पत्नी का प्रेम बढ़ जाता है क्योंकि तब वे सब भौतिक चीजों से ऊपर उठ जाते हैं और बस एक दूजे के लिए ही जीते हैं। उनका सारा समय एक दूसरे का होता है और इस प्रेम को और भी खूबसूरत बना देती है एक दूसरे की Care और ये Care ही वह एहसास है जो प्रेम को दिन प्रतिदिन बढ़ाता है। तो बस इस एहसास को बनाए रखने के लिए एक छोटी सी विनंती है कि जो भी उम्र के इस पड़ाव पर हैं वे कोशिश करें कि स्वस्थ रहें जिससे कि इस आलौकिक प्रेम को अधिक–से–अधिक भोग सकें....

आदर सहित....

दीपेश मित्तल

प्यार की कोई उम्र नहीं

डॉ. कैलाश 'मानव' व श्रीमती कमला अग्रवाल 60 से ऊपर युवाओं के फैशन शो में।

कहते हैं प्यार करने की कोई उम्र नहीं होती। प्यार कभी खत्म नहीं होता है। प्यार हमेशा जवां रहता है चाहे कितनी भी उम्र हो जाए। दुनिया में ऐसी कई जोड़ियाँ हैं जो बुढ़ापे तक एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ती। एक जीवन साथी ही बुढ़ापे तक आपका साथ निभाता है। आपने अपने घर में भी देखा होगा कि आपके नाना–नानी या दादी–दादी आपके सामने चाहे एक दूसरे से लड़ते होंगे लेकिन प्यार भी सबसे ज्यादा इन्हीं में होता है। ये कपल्स बुढ़ापे में भी अपने आप को जवान समझते हैं।

'हम जानते हैं कि सकारात्मक भावनाएँ और प्यार भरा जीवन वृद्धावस्था में एक अलग ही खुशी देता है। ज्यादातर बुजुर्ग बीमार होने के बाद भी अपने प्यार को लेकर काफी खुश रहते हैं। उन्हें वक्त मिलता है अपने जीवनसाथी से बात करने का। इसकी एक वजह व्यस्त जीवन का तनाव कम होना भी है। बुढ़ापे में पहुंचने के बाद इंसान को भागदौड़ भरी जिंदगी से काफी हद तक आराम मिलता है।

बुढ़ापे में कपल्स वो सभी सपनों को पूरा करते हैं जो वो पहले नहीं कर पाए थे। इनकी सारी उम्र बच्चों के पढ़ाने उनके भविष्य को सुरक्षित करने में निकल जाती है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर वो सभी जिम्मेदारियों से दूर इन पलों को खूब एन्जॉय करते हैं। ये कपल्स अपनी क्यूट सी हरकतों से एक दूसरे का दिल जीतते हैं।

श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल – श्रीमती कान्ता अग्रवाल ने दिनांक 13 मई, 2017 को अपनी शादी की स्वर्ण जयंती धूम धाम से मनाई।

विपत्ति आए तो धैर्यपूर्वक सहन करें। सम्पत्ति आए तो क्षमावान बनें।

आइये हमारे सहयोगी कुछ ऐसे ही जोड़ों के बारे में जानते हैं

क्या प्यार की भी होती है एक्सपायरी डेट ?

माया और मनहर लॉन में बैठे चाय पी रहे थे. चाय पीते–पीते वे एक–दूसरे की तरफ़ इस तरह देख रहे थे मानो कोई युवा जोड़ा हो. उनकी बहू नेहा को अपने सास–ससुर को देख हमेशा हैरानी होती थी. वे दोनों घंटों बैठे बातें करते रहते और अगर चुप भी रहते, तो उनके बीच की ख़ामोशी भी इस तरह बातें करती, मानो वे बिना कहे एक–दूसरे की बातें समझ रहे हों. उसे अजीब लगता कि इस उम्र में जब उनके नाती–पोते हो चुके हैं। उनके आपसी प्यार को देख अकसर उसे जलन ही होती थी कि आख़िर बुढ़ापे में ये लोग कैसे इस तरह अपने प्यार के एहसास को जीते हैं. बुढ़ापे तक आते–आते क्या प्यार इतना गहरा रह सकता है?

बचपन से ही हमारी कंडीशनिंग इस तरह की हो जाती है कि हमें लगता है कि प्यार केवल युवा दिलों का एहसास होता है और समय के साथ-साथ उसका एहसास फीका पड़ता जाता है. जबकि प्यार करने की और उसे महसूस करने की कोई उम्र नहीं होती. वह हमेशा दिल में बसा होता है, बस, उसे देखने की नज़र होनी चाहिए. इसीलिए यह कहा जा सकता है कि प्यार की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती।

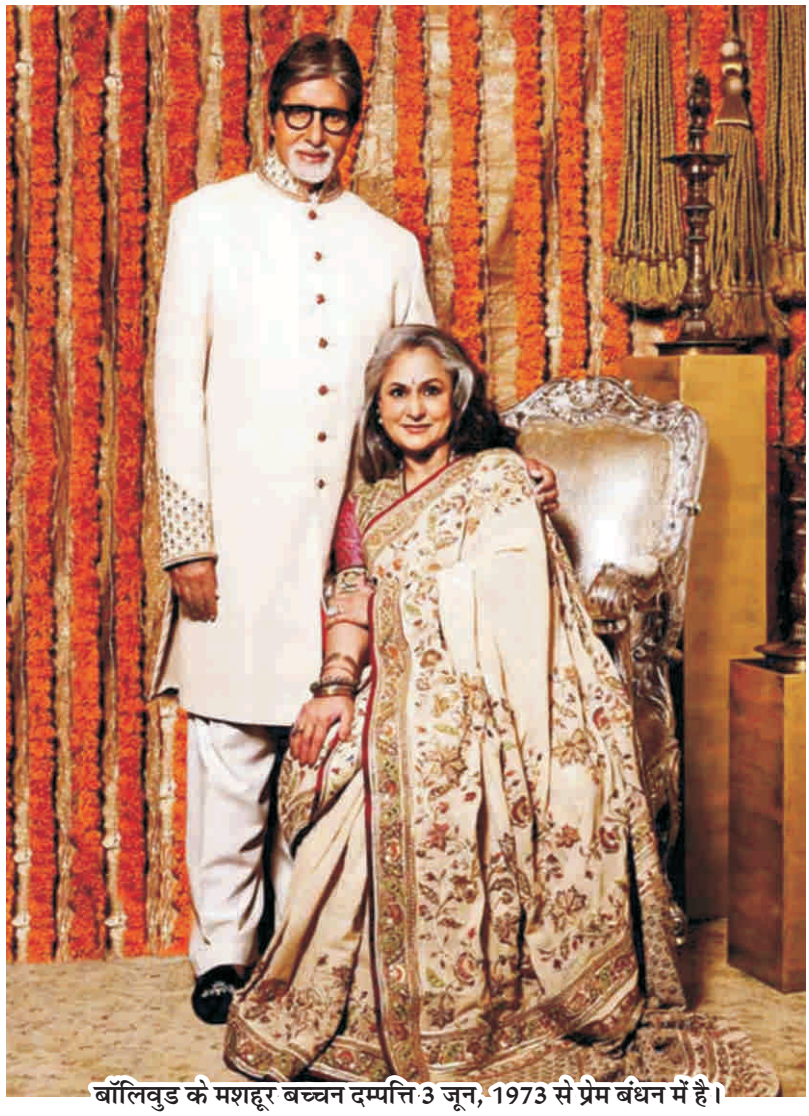

बॉलिवुड के मशहूर बच्चन दम्पत्ति 3 जून, 1973 से प्रेम बंधन में है।

उम्र नहीं रखती मायने

प्यार में तो वह शक्ति होती है, जो आम आदमी को भी शायर बना देती है. प्यार की ताक़त तमाम चुनौतियों को झेलने की क्षमता देती है. प्यार समर्पण है, त्याग है और हर पल जीने का प्रतीक है. सब जानते हैं कि प्यार के अलग–अलग चेहरे और पहलू होते हैं, यही वजह है कि दुनिया के चाहे किसी भी कोने में चले जाएं, एक प्रेम कहानी पल्लवित होती दिखाई व सुनाई देती है. उस कहानी के लोगों को उम्र से कोई सरोकार नहीं होता है. वे बस प्यार करते हैं और उसी में डूबे रहते हैं।

रिमझिम बरसती बूंदें, चिड़ियों का चहचहाना, कोयल की कूक, पपीहे की गूंज, मोर का नृत्य, हवा की गुनगुनाहट से शरीर में उपजती सिहरन, फूलों की कोमल पंखुड़ियों का रेशमी एहसास, हर वह चीज़ जो दिल के तारों को छेड़कर मस्त बयार के साथ अठखेलियाँ करती हुई जब मन में समाती है, तो प्यार के असंख्य तार झनझना उठते हैं।

ज़िम्मेदारियों के बीच भी खिल सकता है प्यार

प्यार एक हवा की तरह होता है, जिसे न तो किसी ने देखा है, न छुआ है, सिर्फ उसे महसूस किया है. वह न तो किसी तरह की इच्छाओं पर निर्भर करता है न चाह पर। हां, केवल अपने साथी के लिए कुछ करने की भावना या समर्पित हो जाने का एहसास अवश्य बना रहता है।

हालांकि कुछ लोग मानते हैं कि बच्चे हो जाने के बाद प्यार के लिए समय ही कहां बचता है? उन्हीं की ख़्वाहिशें पूरी करने के चक्कर में प्यार कहीं हवा हो जाता है, रह जाती है, तो बस ज़िम्मेदारियां... लेकिन यह सच नहीं है।

एक खुशबू है प्यार

क्या प्रकृति ने प्यार को कभी किसी सीमा या उम्र में बांधा है? तो फिर इंसान क्यों सोचता है कि वह बूढ़ा हो रहा है या अब बच्चे बड़े हो गए हैं, इसलिए प्यार करने का हक़ उनसे छिन गया है। हाथों का मीठा स्पर्श या आंखों में प्रिय को देखते ही मन में उमड़ते चाहत के भाव किसी उम्र के मोहताज नहीं होते।

आनन्द वृद्धाश्रम के प्रेममय जोड़े

गाजियाबाद निवासी (75 वर्षीय) **श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल एवं श्रीमती राजकुमारी** (68 वर्ष) का 31 दिसम्बर, 1968 को विवाह हुआ। सेल्फ मेड कर्मठ व्यक्ति सतीश चन्द्र जी व उनकी पत्नी ने विवाह के पश्चात् भी अपनी पढ़ाई व नौकरी दोनों जारी रखी और अपने परिवार में उच्चतम शिक्षा प्राप्त दम्पति हैं। श्री सतीश चन्द्र जी याद करते हैं कि जब उनके पहली संतान हुई उसके पश्चात् राजकुमारी जी गंभीर बीमार हो गई। तब सतीश जी ने जीवन में पहली बार अपने हाथों से चाय व खाना बनाया। श्रीमती राजकुमारी जी एक साल तक बीमार रही उस दौरान सतीश चन्द्र जी ने उनकी हर–संभव देखभाल की। राजकुमारी जी को यह घटना अभी तक याद है। अग्रवाल दम्पत्ति 49 वर्षों से खुशी–खुशी जीवन जी रहें है।

श्री हेमराज पौद्दार के अनुसार उनका **श्रीमती प्रेम** से विवाह हुए 48 साल हो चुके हैं। इस लम्बे वैवाहिक जीवन की अनेक खट्टी – मीठी यादें हैं और उनके उतार–चढ़ाव भी आए हैं। लेकिन, श्रीमती प्रेम पौद्दार हर मुश्किल और चुनौती के समय एक मजबूत सहारा बनकर डटी रहीं। एक बार श्री पौद्दार के पिताजी गंभीर बीमारी में Bed Ridden हो गए। कोई नर्स वगैरह की व्यवस्था नहीं हो पाई श्री पौद्दार की माताजी ने भी इनकी सेवा–सुशुश्रा से इनकार कर दिया। तब श्रीमती प्रेम पौद्दार ने इसका जिम्मा उठाया और मरीज की हर प्रकार की सेवा की यहाँ तक की Diaper तक इन्होंने स्वयं बदले। इस घटना के बाद हेमराज जी अपनी पत्नी के जीवन भर कायल हो गए। अब घर–परिवार की जिम्मेदारियाँ से मुक्त होकर, पिछले 7–8 वर्ष से पौद्दार दम्पति आनन्द वृद्धाश्रम में मजे से जीवन जी रहे हैं।

श्रीमती अंजलि लाहिड़ी व उनके पति **(स्व.) श्री दिगेन्द्र नाथ लाहिड़ी** 4 वर्ष पूर्व साथ–साथ आनन्द वृद्धाश्रम में रहने आए। कुछ समय बाद इनके पति की मृत्यु हो गई। श्रीमती अंजलि अब अपने पूर्व पति की खुशनुमा यादों के सहारे जीवन बिता रही हैं।

87 वर्षीय **श्री गणेश सिंह** व पत्नी 85 वर्षीया **श्रीमती गंगली देवी** दोनों मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते थे। कोई सन्तान नहीं होने के बावजूद भी 70 साल से दाम्पत्य जीवन खुशी–खुशी साथ–साथ जी रहे हैं। कुम्भलगढ़ (राज.) निवासी यह दम्पति पिछले कुछ वर्षों से आनन्द वृद्धाश्रम में साथ–साथ रह रहे हैं।

ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद

(ऊपर चित्र में बाएँ से श्री मुकेश अग्रवाल तथा आदरणीया सुदर्शन मित्तर)

दिनांक 21 मई, 2017 को प्रारम्भ हुए इस वृद्धाश्रम का उद्घाटन श्री मुकेश अग्रवाल और शशि जी अग्रवाल ने किया। फ्रांस निवासी श्री ओम प्रकाश और दीपा जी मल्होत्रा ने इस आश्रम हेतु भवन प्रदान किया जिसमें वर्तमान में 20 वृद्धजनों के निःशुल्क रहने की व्यवस्था होगी।

रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम, इलाहाबाद की कुछ झलकियाँ

दिनांक 21 नवम्बर, 2016 को आरम्भ हुए आनन्द वृद्धाश्रम के इलाहाबाद यूनिट में वृद्धजन समस्त सुख–सुविधाओं सहित आराम से जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

गौरी योजना :

रेखा कुँवर : बच्चों के भविष्य की चिंता हमेशा सताए रहती है

मात्र 23 वर्ष की उम्र में रेखा विधवा हो गई। 7 साल के साथ के बाद 6 माह पूर्व उनके पति की रोड एक्सिडेंट में मृत्यु हो गई। वे दोनों अपने दो बच्चों के साथ बड़े अच्छे से जीवन बीता रहे थे कि ऐसी भयानक विपत्ति आन पड़ी। रेखा को लगा कि वह चौराहे पर खड़ी है। कुछ नहीं सूझ रहा था कि वह स्वयं और उसके बेटे (3 वर्ष) व बेटी (4 वर्ष) का भविष्य क्या होगा। फिर वह ससुराल से पीहर अपने माँ–बाप के साथ रहने आ गई। यहाँ भी जीवन जैसे–तैसे ही चल रहा है। बच्चों के भविष्य की चिंता हमेशा सताए रहती है। कैसे उन्हें बड़ा किया जाए। उनकी शिक्षा व अन्य जरूरतों को कैसे पूरा किया जाए। लेकिन जब से तारा संस्थान ने मासिक पेंशन देनी शुरू की तब से रेखा को सम्बल मिला है। वह चाहती है कि उनके बच्चे अच्छे पढ़ लिख कर जल्दी बड़े हो जाएँ। **रेखा कुँवर दानदाताओं की कृतज्ञ है कि वह इस मदद से अपने बच्चों को आवश्यकताएँ पूरी कर पा रही हैं।**

तृप्ति योजना :

जमना : जब तक मैं जीवित हूँ तब तक सहायता जारी रखें

दूरदराज के आदिवासी झलाके में रहने वाली जमना (45 वर्ष) अकेली रहती है। उसका पुत्र अहमदाबाद में काम धन्धा करते हुए परिवार सहित वहीं रहता है। कभी–कभार ही मिलने आता है। इसके पति को बीमारी से गुज़रे हुए कई वर्ष बीत गए हैं। अकेली जमना दाने–दाने को मोहताज रहती है। तारा संस्थान ने पिछले तीन सालों से जमना की दाल रोटी की व्यवस्था तो निश्चित कर दी है। कम–से–कम वह भूखी तो नहीं रहेगी। **जमना दानदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त कर निवेदन करती है कि जब तक वह जीवित है तब तक सहायता जारी रखें।**

आनन्द वृद्धाश्रम :

नए आगंतुक श्री शिवदयाल कोठारी : दोनों पुत्र हैं पर साथ रहना मुश्किल

76 वर्षीय शिवदयाल जी सरकारी शिक्षक सेवा से रिटायर्ड हैं। उनके 2 बेटे व 1 बेटी है। कोठारी जी के अनुसार उनकी पत्नी घरेलू तनाव से बहुत चिंतित रहती थी। इसी के चलते एक दिन सीढ़ियों से फिसलकर गिर पड़ी और मृत्यु हो गई। इसके पश्चात् उनका वहाँ रहना लगभग असंभव सा था तो वह **टी.वी. पर आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में देख कर यहाँ चले आए। अब वह यहाँ अत्यन्त प्रसन्न हैं।**

तारा नेत्रालय विशेष :

चम्पा मीणा अब जाकर अपने 2 माह के बच्चे को देख पाई

25 वर्षीया, 3 बच्चों की माँ चम्पा मीणा एक दूरदराज के आदिवासी क्षेत्र की रहने वाली गृहणी है। हुआ यूंकि अपने तीसरे बच्चे के गर्भाधान के दौरान चम्पा की आँखों की रोशनी जाने लगी। कुछ प्राइवेट डॉक्टरों ने कहा कि गर्भावस्था में ऐसी समस्या कभी–कभी आ जाती है और डीलिवरी के पश्चात ठीक हो जाएगी। लेकिन चम्पा की रोशनी धीरे–धीरे जाते जाते बिल्कुल ही चली गई। वह कुछ भी नहीं देख सकती थी। उसके पति ने उसे देवरे ले जाकर झाड़–फूंक भी कराई। ठीक होने पर उसने बकरे की बली देने की शपथ ली। लेकिन कुछ फायदा नहीं हुआ। चम्पा की डीलिवरी भी हो गई और दो महीने बीत गए लेकिन उसने अपने नवजात की शक्ल तक नहीं देखी। फिर एक जानकार जिसने की स्वयं तारा नेत्रालय में ईलाज करवाया था ने उन्हें तारा नेत्रालय में जाने की सलाह दी। यहाँ के डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर मानते हुए तुरंत मोतियाबिन्द ऑपरेशन कर चम्पा की आँखें बचाई। अगर जरा भी देरी होती तो आँखें हमेशा के लिए जा सकती थी। **चम्पा व उसके पति तारा संस्थान के दान दाताओं के आभारी हैं कि अब चम्पा अपने 2 महीने के बच्चे की सूरत देख पाई है।**

मासिक क्रिया कलाप :

तारा नेत्रालय, उदयपुर में अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस मनाया

दिनांक 12 मई, 2017 के ''अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस'' के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण तारा नेत्रालय ने यह दिन हर्षोल्लास के साथ मनाया।

रॉबिन हुड आर्मी, उदयपुर ने आनन्द वृद्धाश्रम में मदर्स डे मनाया

दिनांक 14 मई, 2017 को रॉबिन हुड आर्मी के सदस्य तारा संस्थान में संचालित आनन्द वृद्धाश्रम पहुँचे और सभी वृद्धजनों को 'मदर्स–डे' की शुभकामनाएँ दीं। बदले में वरिष्ठ नागरिकों ने उन्हें दादा–दादियों सा प्यार दिया। तत्पश्चात् केक काटा गया और वृद्धों का दिल बहलाने हेतु अनेक मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दी गई।

इस माह के भामाशाह :

स्व. श्रीमती जैन

डॉ. ओ.सी. जैन, रतलाम (म.प्र.)

डॉ. जैन (योग शिक्षक) ने अपनी स्व. पत्नी श्रीमती निर्मला जैन की पुण्य स्मृति में आनन्द वृद्धाश्रम के नवीन भवन में एक सभा–गृह के निर्माण हेतु दान की घोषणा की है। श्री जैन समय–समय पर तारा संस्थान के प्रकल्पों में सहयोग करते रहते हैं। ऐसे भामाशाहों को हमारा हार्दिक धन्यवाद।

डॉ. जैन

श्री पी.पी. आर्य, दिल्ली

श्री पी.पी. आर्य जिनकी धर्मपत्नी का श्रीमती प्रेम सविता आर्य का दिनांक 16 अक्टूबर, 2016 स्वर्गवास को हो गया था। श्री आर्य अपनी पत्नी से गहरा प्रेम करते थे एवं उनकी याद हमेशा इनके दिल में रहती है। 19 मई, 2017 को **श्रीमती प्रेम सविता आर्य** के जन्मदिन के पावन अवसर पर श्री आर्य ने एक चैक आनन्द वृद्धाश्रम हेतु भेजा है। तारा परिवार की ओर से श्रीमती आर्य को श्रद्धा सुमन।

श्री केसर सिंह राजपुरोहित

मुण्डारा (फालना) निवासी श्री केसर सिंह राजपुरोहित 22 वर्ष पूर्व शिक्षक सेवा से रिटायर्ड हैं। उनके दस पोतियाँ हैं जिनकी हर वर्ष 2–2 माह सेवा हेतु ड्यूटी लगती है। लम्बे चौड़े परिवार के सब लोग समय–समय पर इनसे मिलने आते रहते हैं। श्री केसर सिंह अपनी धर्मपत्नी सायर कंवर के साथ तारा संस्थान के प्रकल्पों में सहयोग देते रहते हैं।

सुविचार :

मस्तिष्क बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। आप अपने विचार जिस चीज पर एकाग्र करते हैं, वह आपके बाह्य जीवन में प्रकट होगी। अगर आप तनाव और डर पर विचार करेंगे, तो वे आपके जीवन में प्रकट होंगे। परंतु अगर आप प्रेम और समझ पर विचार करेंगे, तो वे प्रकट होंगे और आपके लिये वे सारी सौग़ातें लेकर आयेंगे, जो ईश्वर आपको देना चाहता है।

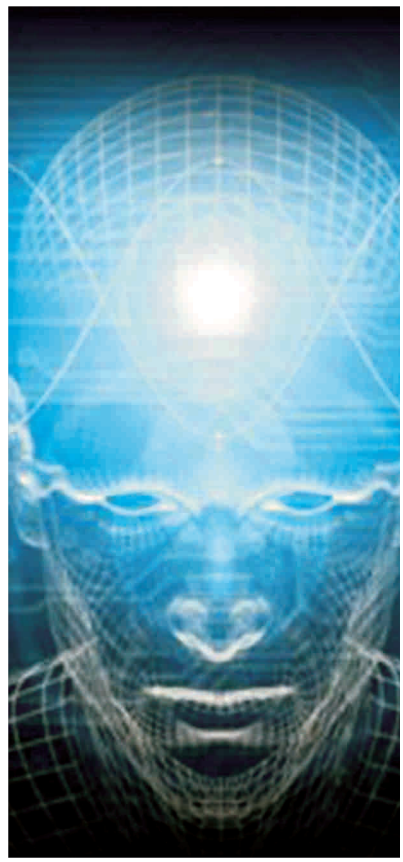

विज्ञापन

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह मई – 2017 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
01.05.2017	श्री जितेश जी मेगतानी, निवासी - जयपुर (राज.)	209	12	43	71
29.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	168	21	34	52

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

10.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	45	08	07	15
17.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	52	07	10	12
23.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	51	09	08	11
24.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	58	08	08	20

तारा नेत्रालय, फरीदाबाद में आयोजित शिविर

06.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	63	05	17	19
13.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	74	07	22	26

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
21.05.2017	सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद	758	35	364	670

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
02.05.2017	याशिका इन्टरप्राइजेज (प्रोप्राइटर श्री देवेन्द्र त्यागी), नोएडा	लसाड़िया, उदयपुर	237	18	68	176
07.05.2017	श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	गाजियाबाद, यू.पी.	834	39	437	750
07.05.2017	जय श्री कृष्णा	बुद्ध विहार, नई दिल्ली	1034	12	567	876
09.05.2017	हीरालाल मोहन देवी रीटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली	पहाड़ी धिरज, दिल्ली	767	18	356	690
10.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	उत्तम नगर, नई दिल्ली	215	14	142	178
14.05.2017	जय श्री कृष्णा	बुद्ध विहार, दिल्ली	946	28	567	853
14.05.2017	केन्ट मिनरल आर.ओ.	रमेश नगर, नई दिल्ली	845	18	425	767
14.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	उत्तम नगर, नई दिल्ली	278	17	136	180
17.05.2017	जय श्री कृष्णा	नांगलोई, दिल्ली	915	15	376	789
18.05.2017	श्री विपिन कान्त जी दोशी, निवासी - सूरत (गुज.)	भीण्डर, उदयपुर	189	7	34	109
19.05.2017	श्रीमती प्रेम जी निझावन, निवासी - जनकपुरी, दिल्ली	मोहन गार्डन, दिल्ली	670	15	323	615
21.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	उत्तम नगर, नई दिल्ली	381	14	233	366
23.05.2017	जय श्री कृष्णा	नजफगढ़, नई दिल्ली	680	18	410	612
24.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	सलुम्बर, उदयपुर	197	12	46	91
24.05.2017	वर्धमान प्लाजा	नेहरु पेलेस, नई दिल्ली	911	16	469	857
25.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	मुम्बई	52	7	12	18
26.05.2017	जय श्री कृष्णा	बुद्ध विहार, दिल्ली	879	10	432	789
28.05.2017	शाह थावरचन्द खेमचन्द मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट, नयागाँव	नयागाँव, उदयपुर	217	17	96	162
28.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	बाटा फ्लार्टओवर, फरीदाबाद	307	16	138	180
31.05.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	उत्तम नगर, नई दिल्ली	320	12	170	279

स्वागत :

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री अनिल जैन -श्रीमती तृष्ला जैन, बरेली (यू.पी.)

श्रीमती - श्री गुरमीत सिंह सैनी, चण्डीगढ़

श्री सुकुमल चन्द, श्री डी.पी. अग्रवाल, दिल्ली

श्री फिरोज शाह, पुना

श्री गुलाब मेंघानी, अजमेर

श्री बजरंग जी - श्रीमती मीना जी, मुम्बई

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री संतलाल सुनिल कुमार - श्रीमती सरोज रानी मोगा
बागा पुराना, पंजाब

श्री के.एस. शर्मा - श्रीमती नीता शर्मा
दिल्ली

श्री पंकज भाई कपाडिया
सूरत (गुज.)

श्रीमती मीना जी - श्री जगदीश जी कनानी
मुम्बई

श्रीमती - श्री फकीर चन्द जी वाधवा
चण्डीगढ़

श्रीमती - श्री बी.आर. मदन जी
चण्डीगढ़

श्री सतीश नन्द लाल साहू
नागपुर (महा.)

श्री राज जनक एवं श्री राम सुन्दर गुप्ता
सूरत (गुज.)

श्री उदय लाल जी
सूरत (गुज.)

श्री बनवारी लाल डंगाचय - श्रीमती रुकमणी देवी
जयपुर (राज.)

श्री जगदीश प्रसाद वर्मा - श्रीमती पार्वती वर्मा
जयपुर (राज.)

शिव शक्ति महिला मण्डल
पुष्पाजंली एन्कलेव, दिल्ली

श्री मिलाप जैन
रायपुर (छ.ग.)

श्री जगत नारायण सिंहा
पटना (बिहार)

श्री विद्यानन्द सहाय
पटना (बिहार)

श्री निर्मल बाफना
दूर्ग (छ.ग.)

श्रीमती एवं श्री विजय सुगन
चन्द जैन, धुलिया (महा.)

श्री सुधाकर काशीनाथ पाटिल
नन्दगाँव, जलगाँव

श्री प्रेम कुमार सोंथलिया
हैदराबाद

श्री प्रेम सागर महाजन
अमृतसर, पंजाब

श्री सन्नी गोयल,
श्री हार्दिक गोयल, आगरा

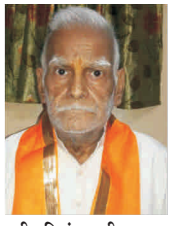

श्री हरिशंकर श्रीवास्तव
आगरा

श्री कैलाश प्रसाद खंडेलवाल
जयपुर (राज.)

श्री राम तीर्थ वार्ष्णेय
एटा (यू.पी.)

श्री भागचन्द जैन
भीलवाड़ा (राज.)

श्री रमेश भाई
बड़ोदा (गुज.)

श्री जगदीश चन्द्र गोयल
हैदराबाद

श्री घनश्याम दास सुल्तानिया
हैदराबाद

डॉ. राजीव गर्ग
हैदराबाद

श्री बिमल चन्द दुजारी
हैदराबाद

श्री रामगोविन्द बेडेकर
नागपुर (महा.)

डॉ. सी.एस. मोदी
बीकानेर (राज.)

श्री विजय कुमार पारिख
बीकानेर (राज.)

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. B.L. Modani - Mrs. Navratan Devi Modani
Jaipur (Raj.)

Mr. Nathu Lal Mali - Mrs. Munni Devi
Bhilwara (Raj.)

Mr. Sanvar Lal Modi - Mrs. Parvati Modi
Bikaner (Raj.)

Mr. R.P. - Dr. Shakuntala Chaudhary
Ranjhi (MP)

Mr. Hari Mohan - Mrs. Santosh Jain
Bikaner (Raj.)

Mr. Harish Kumar - Mrs. Savitri Devi

Mr. G.D. Goyal - Mrs. Krishna Goyal

Mr. Tara Chand - Mrs. Reshma Ahuja
Jaipur (Raj.)

Mr. Ashok Kumar - Mrs. Aruna Khandelwal

Mr. Teji Lal - Late Mrs. Urmila Mishra
Jhansi (U.P.)

Mr. Ram Gopal - Mrs. Shanta Devi Agrawal
Mumbai

Mrs. Jeevan Kumari Talesra
Mr. Pratap Singh Talesra

Mr. Om Prakash - Lt. Mrs. Krishna Dixit
Jhansi (U.P.)

Mr. Jagdish Prasad - Mr. Parvati Verma
Jaipur (Raj.)

Mr. Ram Naresh - Mrs. Chameli Devi
Mirzapur (U.P.)

Mr. Rasbihari Khare - Mrs. Geeta Khare
Dhamtari (C.G.)

Mrs. - Mr. Ratan Lal Sharma
Indore (MP)

Mr. L.N. Bhagat - Mrs. Girja Devi Bhagat
Indore (M.P.)

Mr. Satish Sahu & Family
Nagpur (MH)

Mr. Radhy Shyam - Mrs. Sunita Khurana
Bikaner (Raj.)

Mr. Ashok - Mrs. Pushplata Dixit
Nagpur (MH)

Mr. K.M. Jain - Mrs. Sandhya Jain
Nagpur (MH)

Mr. Seeta Ram - Late Mrs. Sharda Devi
Surat (Guj.)

Mr. Ram Kishan - Mrs. Jyana Devi Saraswat
Bikaner (Raj.)

Mr. Ram Gopal Arya - Mrs. Jasomati Arya
Bikaner (Raj.)

Pandit Mr. Ratan Chand
Kathua, J & K

Mrs. Usha Agrawal
Gurdaspur (PB)

Mr. Anil Kumar Agrawal
Gurdaspur (PB)

Kamlesh Kumari
Pathankot (PB)

Mr. Om Prakash Sharma
Pathankot (PB)

Mr. Ashok Tadiya
Kathua, J & K

Mrs. Nirmal Kanta
Kathua, J & K

Mr. Nivas Tapdiya
Jodhpur (Raj.)

Mr. Hansraj Bhai Patel
Ahmedabad (Guj.)

Mr. Bhanwar Lal Bhutara
Balotra, Barmer (Raj.)

Mr. Kanwar Lal Savna
Balotra, Barmer (Raj.)

Mrs. Nidhi Kumawat
Jaipur (Raj.)

Mr. Man Mohan Agrawal
Lucknow

Mrs. Ruchi Agrawal
Lucknow

Miss. Shreya Agrawal
Lucknow

Mr. Udbhav Agrawal
Lucknow

Lt. Mr. Parasmal Mehta

Mr. Anil Kumawat
Jaipur (Raj.)

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. - Mrs. Ved Prakash Sharma
Moga (PB)

Prof. R.M. Talwani - Mrs. Chandrakanta
Ludhiana (PB)

Mr. R.L. Narang - Lt Mrs. Prakash Wati Narang
Ludhiana (PB)

Mrs. - Mr. Gopal Dave
Delhi

Mr. Rameshwar Prasad - Mrs. Naintara Gupta
Alwar (Raj.)

Mrs. Laxmi Jain D/o Mrs. Sunita Jain
Bhiwani (HR)

Dr. Mahipal Chand - Mrs. Kamal Abani
Vasni (Guj.)

Mr. Ishwar Singh - Mrs. Krishna Devi
Fatehabad (HR)

Mr. Raj - Mrs. Surjeet Nagpal
Daughter of Mrs. Chandana
Ambala City (HR)

Dr. Ram Gopal Gupta - Mrs. Vinita
Jaipur (Raj.)

Mr. Ganpat Mehta - Mrs. Chanchal Mehta
Jodhpur (Raj.)

Lt. Mr. Champalal Yadav - Lt. Mrs. Ratan Devi
Udaipur (Raj.)

Mrs. Madhu Ben - Mr. Dhanji Bhai Patel
Kadi - Mehsana (Guj.)

Mr. Om Prakash - Mrs. Mohini Shrivastav
Lucknow (UP)

Mr. Heera Lal Suthar - Mrs. Hansa Devi
Pali (Raj.)

Mr. Suresh Chand
Bulandshahar (UP)

Mr. Padam Chand Jain
Malpura - Tonk (Raj.)

Mrs. Yashoda Devi Kochar
Balaghat (MP)

Mr. Nagar Mal Agrawal
Jaipur (Raj.)

Mrs. Veera Garg

Mr. Avdesh Singh Chauhan
Niwai - Tonk (Raj.)

Mr. Basant Ram
Karnal (HR)

Mr. Rajrani Julfa
Baroda (Guj.)

Mr. S.B. Singh
Kanpur

Mr. Deepak Ji
Amritsar (PB)

Mrs. Sarla Gupta
Jaipur (Raj.)

Mr. Brij Mohan Gupta
Kota (Raj.)

Mr. Ram Kishan Bishnoi
Bikaner (Raj.)

Mr. Tarsem Kumar Garg
Chennai

Mr. Sanni Goyal
Agra (UP)

Prof. Dr. Hastimal Sharma
Pali (Raj.)

Mr. Vivek K. Barlota
Yavatmal (MH)

Mrs. Indira Mehta
Kota (Raj.)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

जिसे जीत लिए जाने का भय होता है उसकी हार निश्चित होती है

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad (Haryana) 121001
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma Area Delhi Cell : 07821855747	**Sanjay Choubisa** Area Delhi Cell : 07821055717	**Gopal Gadri** Area Delhi Cell : 07821855741	**Bhanwar Devanda** Area Noida, Ghaziabad Cell : 07821855750	**Rameshwar Jat** Area Gurgaon, Faridabad Cell : 07821855758
Kamal Didawania Area Chandigarh (HR) Cell : 07821855756	**Ramesh Yogi** Area Lucknow (UP) Cell : 07821855739	**Narayan Sharma** Area Hyderabad Cell : 07821855746	**Vikas Chaurasia** Area Jaipur (Raj.) Cell : 09983560006	**Bharat Menaria** Area Mumbai Cell : 07821855755
Suresh Kumar Lohar Area Mumbai Cell : 07821855759	**Prakash Acharya** Area Surat (Guj.) Cell : 07821855726	**Kailash Prajapati** Area Saurashtra (Guj.) Cell : 07821855738	**Deepak Purbia** Area Punjab Cell : 07821055718	**Pavan Kumar Sharma** Area Bikaner & Nagpur Cell : 07821855740

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma **Mumbai** Cell : 09869686830	Smt. Rani Dulani 10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village, **Kandiwali (W), Mumbai** - 400 101, Cell : 09029643708		Shri Pawan Sureka Ji **Madhubani (Bihar)** Cell : 09430085130
Shri Satyanarayan Agrawal **Kolkata** Cell : 09339101002	Shri Bajrang Ji Bansal **Kharsia (CG)** Cell : 09329817446	Smt. Pooja Jain **Saharanpur (UP)** Cell : 09411080614	Shri Naval Kishor Ji Gupta **Faridabad (HR.)** Cell : 09873722657
Shri Anil Vishvnath Godbole **Ujjain (MP)** Cell : 09424506021	Shri Vishnu Sharan Saxena **Bhopal (M.P.)** Cell : 09425050136, 08821825087	Lt. Col. A.V.N. Sinha **Lucknow** Cell : 09598367090	Shri Dinesh Taneja **Bareilly (UP)** Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जून - 2017
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

11000 रु. की संचित राशि से वृद्धाश्रम वासियों को हर साल एक निश्चित दिवस पर भोजन करवाएँ।

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस — 'पारस' रात्रि 7:40 से 8:00 बजे

आस्था भजन — 'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे

आस्था — 'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

Tara बुजुर्गों के लिए...
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org